B.M.A College Darbhanga Baheri (L.N.M.U)
BA (Hons) Part-II पेपर - IV
Dr Manoj Kumar Sah
Dept of Pol-Sci
ANKIT Date 25.9.20

राजनीतिक समाजीकरण

राजनीतिक समाजीकरण राजनीतिक विकास का मनोवैज्ञानिक पहलू है। राजनीतिक समाजीकरण द्वारा राजनीतिक व्यवस्था में आचार और व्यवहार के नियम एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाये जाते हैं यह एक ऐसी ~~अबाध~~ अचेतन प्रक्रिया है जो लगातार चलती रहती है। राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रिया सामान्यतया आकस्मिक अथवा अदृश्य रूप से कार्य करती है। इसका अर्थ यह है कि यह शांत और सामान्य रूप से संचालित होती है। कई बार लोगों को इसके संचालन की खबर तक नहीं होती। रॉबर्ट सीगल के शब्दों में राजनीतिक समाजीकरण का उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों का प्रशिक्षण और विकास करना है जिससे वे राजनीतिक समाज के अच्छे कार्यकारी सदस्य बन सकें। राजनीतिक समाजीकरण व्यक्तियों के मन में मूल्यों मानकों और अभिविन्यासों का विकास करता है जिससे राजनीतिक व्यवस्था के प्रति विश्वास की भावना हो और वे अपने आपको अच्छे कार्यकारी नागरिक के रूप में बनाये रखें तथा अपने उत्तराधिकारियों के मन पर अमिट छाप छोड़ सकें। सीगल ने अत्यंत संक्षिप्त रूप में राजनीतिक समाजीकरण को इन शब्दों में परिभाषित किया है यह प्रचलित राजनीतिक व्यवस्था द्वारा ग्राह्य मानदंडों, मनोवृत्तियों एवं व्यवहारों का क्रमिक ज्ञान है।

ग्रेबिएल आलमण्ड और जी. बी. पावेल के अनुसार : राजनीतिक समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा राजनीतिक संस्कृति कायम रहती है और परिवर्तित होती है और उन्हें राजनीतिक वस्तुओं की ओर आकृष्ट किया जाता है।

स्टीफन एल. वास्बी के शब्दों में यह एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा लोग न केवल सक्रिय राजनीतिक भागीदारी के दौरान बल्कि सुनिश्चित राजनीतिक क्रिया में लगाने के पूर्व के काल में भी राजनीतिक मूल्य ग्रहण करते हैं।

डेविड ईस्टन के शब्दों में किसी प्रकार से एक प्रौढ़ पीढ़ी युवा पीढ़ी को अपने जैसे प्रौढ़ प्रतिरूप में डालती है यही समाजीकरण है।